

छह माह में निर्णय के निष्पादन कार्यवाही का निराकरण हो वर्ना पीठासीन अधिकारी पर जवाबदेही होगी

सुप्रीम कोर्ट के दिशा निर्देश



जी. के. छिक्कर

सर्वोच्च न्यायालय की दो न्यायाधीशों की पीठ न्यायमूर्ति जे.बी परदीवाला एवं मन्त्रीकारी पंकज मित्रल ने पेरिमल, (मृतक) बनाम वी.राजमणि की याचिका का निराकरण करते हुवे महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं जिससे उच्च न्यायालय और अधिनस्त न्यायालयों में लंबित सैकड़ों निर्णय के निष्पादन के मुकदमों की फैसल तेज होगी और शीघ्र निर्णय का पालन होगा।

याचिका के तथ्यों के अनुसार परीक्षण न्यायालय ने 1986 में निर्णय दिया था कि जिसके निष्पादन में 20 वर्ष लग गए और मामला सुधीर मोर्कोट तक पहुंचा जिसको सर्वोच्च न्यायालय ने गंभीरता से लेते हुवे निर्णय के निष्पादन कार्यवाही को 2 माह में करने के निर्देश

अक्षय तृतीया सोनाटा पेश करते हैं सोनाटा 'गोल्ड'

भोपाल | भारत में घड़ियों के सबसे पसंदीदा ब्रांड सोनाटा लेकर आए हैं सोनाटा गोल्ड- सोच-समझ कर डिजाइन किया गया स्टाइलिश कलेक्शन जो हमारे लिए गोल्ड यानि सोने के अनुभव को पूरी तरह से बदल देगा। सोनाटा गोल्ड, सोने के प्रति आपके लगाव को दर्शनी का नया और बोल्ड तरीका है- जो न सिर्फ परम्परा का साथ निभाएगा, बल्कि आपका अपना स्टाइल स्टेटमेंट भी बन जाएगा।

अक्षय तृतीया का त्योहार आ रहा है, जिसे समुद्धि एवं सकारात्मक शूरुआत का प्रतीक माना जाता है, इसी के महेनजार पश किया गया कलेक्शन सोनाटा गोल्ड, सोने के उपहार को नया दृष्टिकोण प्रदान करता है। इस कलेक्शन की हर घड़ी के डायल में 0.15 ग्राम में 22 कैरट तांत्रिक गोल्ड कॉर्नेय है, एक शानदार छींटले जो करिगरी, विरासत एवं डिजाइनिंग को दर्शाता है। यह कलेक्शन उन लागों के लिए बहुरीन है, जिन्हें बारीकी से तैयार किए गए डिजाइन खूब लुभाते हैं। इन घड़ियों का स्लीक केस डिजाइन, गोल्ड कॉर्नेय से युक्त लैकैड हाई-पॉलिश ब्लैक डायल और असली लैदर का रेट्रैटेबल बैहूद आकर्षक और खास बनाता है। इस नई पेशकश पर बात करते हुए श्री प्रतीक गुप्ता, ब्रांड हैड, सोनाटा ने कहा, सोनाटा गोल्ड सिर्फ एक घड़ी नहीं बल्कि एक अनुभव है।

अधिकारी की जवाबदेही तय की जाएगी सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट कर दिया यह निर्देश सभी अधिनस्त न्यायालयों पर बढ़नकारी है। सर्वोच्च न्यायालय के इस निर्णय से लाखों उन पीड़ितों को राहत मिल सकेगी जो वर्षों से निर्णय प्राप्त करने के पश्चात् भी निर्णय के पालन से वंचित हैं इसमें अधिकांश प्रकरण सरकारी विभागों के हैं अब उन अधिकारियों पर कार्यवाही भी होगी जो विधिसम्मत आदेश के निष्पादन और पालन में अड़ोंगा डालते हैं यह दर्भायपूर्ण स्थित है की निर्णय के पालन में वर्षों लगारहे हैं पक्षकार अर्थात् ओं मानसिक रूप से भी प्रतिडिन हो रहे हैं समय पर न्याय न मिलान अन्याय ही कहा जा सकता है इसलिए यह निर्णय स्वागत योग्य है जिसका इमानदारी से पालन होगा आशा की जानी चाहिए।